बीकानेर के किसानों को 60 कलस्टर में प्राकृतिक खेती से जोड़ा जायेगा : चौधरी

बीकानेर, (कासं)। शासन सचिव (कृषि) राजन विशाल एवं आयुक्त (कृषि) चिन्मयी गोपाल के निर्देशों की पालना में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के क्रम में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन योजना अंतर्गत आयोजित 5 दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शनिवार को हुआ।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के भीमसेन चौधरी किसान घर सभागार में संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में तथा उद्यान विभाग के सहायक निदेशक मुकेश गहलोत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी ने बताया कि प्राकृतिक खेती स्वस्थ मृदा-समृद्ध किसान की परिकल्पना पर आधारित है। हाल ही में प्राकृतिक खेती को राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के रूप में लिया गया है।

संयुक्त निदेशक (कृषि) कैलाश चौधरी ने प्राकृतिक खेती पर कृषि सखी प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

- प्राकृतिक खेती पर चयनित कुल 120 कृषि सखी के प्रथम बैच की 60 कृषि सखी सीआरपी को 05 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया
- बीकानेर के 60 कलस्टर में प्रति कलस्टर 2 कृषि सखी (सीआरपी) का चयन स्थानीय स्तर पर गांव में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के क्रम में किया गया है

प्राकृतिक खेती रसायन मुक्त खेती है, जिसमें किसान अपने खेत पर उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग कर, देशी पशु से प्राप्त गोबर-गोमूत्र की सहायता से प्राकृतिक खेती करता है। प्राकृतिक खेती में किसी भी स्तर पर रसायन का उपयोग नहीं किया जाता है। प्राकृतिक खेती पूर्णत: स्थानीय जैव विविधता को सुरक्षित रखते हुए जीरो बजट पर आधारित खेती है।

प्राकृतिक खेती के तहत किसान स्वयं के खेत पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए जीवामृत, बीजामृत, पंचगव्य, ब्रह्मास्त्र, अग्नाशास्त्र, वर्मीवास का उपयोग करते हुए प्राकृतिक खेती करते हैं। प्राकृतिक खेती से मृदा स्वास्थ्य सुधरता है एवं उर्वरकता स्तर बढ़ने के साथ मिट्टी में लाभदायक जीवाणुओं की संख्या में वृद्धि होती है। उद्यान विभाग के सहायक निदेशक मुकेश गहलोत ने बताया कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के क्रम में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत राज्य स्तर पर कुल 1800 कलस्टर का आवंटन है।

बीकानेर को 60 कलस्टर में 7500 किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ते हुए प्राकृतिक खेती के क्षेत्रफल को बढ़ावा देने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। 60 कलस्टर में प्रति कलस्टर 2 कृषि सखी (सीआरपी) का चयन स्थानीय स्तर पर गांव में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के क्रम में किया गया है। चयनित कुल 120 कृषि सखी के प्रथम बैच की 60 कृषि सखी सीआरपी को 05 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया है। योजना प्रभारी कविता गुप्ता ने बताया कि प्राकृतिक खेती कार्यक्रम के तहत 6 बायो इनपुट रिसोर्स केन्द्र का चयन किया जायेगा। प्रति केन्द्र एक लाख रूपए की राशि 50-50 हजार की दो किश्तों में स्वीकृत की जायेगी।

कार्यक्रम समन्वयक कृषि अधिकारी रमेश भाम्भू ने 5 दिवस आयोजित कृषि सखी सीआरपी प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत सत्र वार रूपरेखा रखी व अवगत करवाया कि चयनित कृषि सखी को प्रति माह 5000 रूपए मानदेय विभाग द्वारा दिया जायेगा।

मोबाइल हेतु एकमुश्त 4000 रूपये की राशि भी स्वीकृत की जायेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि उद्यानिकी विभाग एवं कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा कृषि सखी को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम सह समन्वयक रितिका शर्मा ने प्राकृतिक खेती पर विचार रखे। कृषि सखी सीआरपी अब अपने अपने कलस्टर में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देगी। चयनित 125 किसान प्रति दो सीआरपी को प्रशिक्षित करेगी। कृषि सखी विनोद कंवर, समता, चंदा, बबीता भार्गव, सुमन, सरोज जैन, सरोज कंवर इत्यादि ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम समापन पर सहभागी कृषि सखी सीआरपी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कृषि अधिकारी रमेश भाम्भू ने किया।

रैगिंग रोकने के लिए समिति गठित

बीकानेर, (कासं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर ने सत्र 2025-26 के लिए रैगिंग की रोकथाम के लिए व्यापक कदम उठाए।

कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. गुंजन सोनी ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय, एन.एम.सी. नई दिल्ली, राज्य सरकार और राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर के निर्देशों की पालना में रैगिंग विरोधी उपायों के तहत आठ समितियों और प्रकोष्ठों का गठन किया गया है। इनमें रैगिंग विरोधी समिति, रैगिंग विरोधी दल, परामर्श प्रकोष्ठ, मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समिति, खेलकूद समिति, नव-प्रवेशित एवं वरिष्ठ विद्यार्थियों में परिचय हेतु समिति और रैगिंग विरोधी छात्र समिति शामिल हैं।

रैगिंग विरोधी समिति के अध्यक्ष डॉ. गुंजन सोनी होंगे, जबकि डॉ. नीति शर्मा को संयोजक नियुक्त किया गया है। समिति में शैक्षणिक अधिकारी डॉ. गौरव शर्मा, जिला प्रशासन से रमेश देव (एडीएम नगर), जिला पुलिस प्रशासन से विशाल जांगिड, डॉ. रेखा आचार्य, सीनियर प्रोफेसर डॉ. बी. के. बीनावरा, डॉ. डी.पी. सोनी, अन्य चिकित्सक शिक्षक, छात्र प्रतिनिधि, अभिभावक, मीडिया प्रतिनिधि और एनजीओ शामिल हैं। समिति के सदस्यों के मोबाइल नंबर छात्रों को उपलब्ध कराए जायेंगे ताकि वे किसी भी परेशानी में समिति से संपर्क कर सकें। रैगिंग विरोधी दल में डॉ. निधि चितलंगिया, डॉ. भागीरथ राम बिश्नोई और डॉ. सुरेन्द्र कुमार जीनगर को सुपरवाइजर नियुक्त किया गया है, जिसमें 24 चिकित्सक शिक्षक सदस्य के रूप में शामिल हैं।

सार-समाचार

'एक पेड़ मां के नाम अभियान'

नाबार्ड और पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में सघन पौधारोपण किया।

बीकानेर, (कासं)। सागर रोड स्थित पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय-1 में शनिवार को नाबार्ड और विद्यालय के इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' के तहत सघन पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक रमेश तांबिया और विशिष्ट अतिथि विद्यालय के प्राचार्य महिपाल सिंह और उप प्राचार्य कमला थी। इस अवसर पर तांबिया ने पर्यावरण संरक्षण में पेड़-पौधों की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा का दायित्व लेने आव्हान किया। उन्होंने प्रतिबंधित प्लास्टिक का बहिष्कार करने का आव्हान किया और कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से प्रकृति संरक्षण में हम अपना योगदान दे सकते हैं। प्राचार्य महिपाल सिंह ने बताया कि पौधे लगाने से अधिक महत्वपूर्ण इनकी सुरक्षा करना है। ऐसा करके हम आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ वातावरण दे पायेंगे। उन्होंने कहा कि स्कूल की उपलब्धियों और परिणाम के बारे में बताया। इस दौरान पौधारोपण कार्यक्रम संयोजक जगदीश प्रसाद सोनी, स्काउट प्रभारी संजय कुमार, इको क्लब प्रभारी उम्मेद सिंह यादव, शिक्षक मुरली मनोहर, प्रदीप कुमार शर्मा, पवन कुमार ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण सुरक्षा और पौधारोपण के लिए प्रोत्साहित किया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने 125 पौधे लगाए और उनकी सुरक्षा का संकल्प किया गया।

जीवाश्मों पर प्रदर्शनी लगाई

अजित फाउंडेशन में जीवाश्मों पर प्रदर्शनी का अवलोकन करते जीव वैज्ञानिक राकेश हर्ष।

बीकानेर, (कासं)। अजित फाउण्डेशन द्वारा जीवाश्मों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में जीव विज्ञानी डॉ. राकेश हर्ष द्वारा एकत्रित एवं शोधपरक जीवाश्मों का अवलोकन के लिए प्रदर्शन किया गया। डॉ. राकेश हर्ष ने बताया कि प्रदर्शनी में जुरासिक काल एवं टरसरी काल के जीवाश्मों को प्रदर्शित किया गया है। जुरासिक काल के जीवाश्म शोध के दौरान झारखण्ड से एकत्रित किए हुए है तथा टरसरी काल के जीवाश्म बीकानेर से एकत्रित किए हुए है। इन जीवाश्मों में अनावृतबीजी पादप तथा टेरिडोफायटा दो प्रकार के जीवाश्म है। टरसरी काल के आवृतबीजी पादप जीवाश्म लकड़ी के है। साथ ही जुरासिक काल के जीवश्म लगभग 15 से 20 करोड़ वर्ष पूर्व के बने हुए है। टरसरी काल वाले जीवाश्म 7 से 9 करोड़ वर्ष पूर्व के है। प्रदर्शनी में आये हुए शोधार्थियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने पहली बार इस तरह के जीवश्मों को देखा। संस्था समन्वयक संजय श्रीमाली ने बताया कि कल 'जीवाश्म: बीते कल की कहानी' विषय पर सायं 5:30 बजे डॉ. राकेश हर्ष का संवाद आयोजित होगा। कार्यक्रम में डॉ. अजय जोशी, प्रेमनारायण व्यास, मोहम्मद फारूक, रामगोपाल व्यास, उपस्थित थे।

ब्लैकमेल करने पर फांसी लगाई

बीकानेर, (कासं)। नापासर में रहने वाली विवाहिता ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। उसके पिता ने तीन लोगों पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। नापासर पुलिस मामले की जांच करेगी। हनुमानहत्था निवासी युवती की वर्ष, 2019 में नापासर में शादी हुई थी। उसके एक पुत्र भी हुआ और गृहस्थी अच्छी चल रही थी। इस दौरान 20 फरवरी, 2025 को नापासर में ही उसकी जेठूतियों की शादी थी। शादी में गंगाशहर में हंसा गेस्ट हाउस के सामने रहने वाले मोनू उर्फ महेन्द्र सोनी से विवाहिता की मुलाकात हो गई। उसके बाद दोनों में फोन पर बात होने लगी। मार्च में विवाहिता अपने पीहर बीकानेर आई। इस दौरान मोनू उसे और उसकी नाबालिग छोटी बहन को बोथरा कॉम्पलेक्स के पास एक कैफे में ले गया। वहां विवाहिता को केबिन में ले गया और फोटो, वीडियो बना लिए। ब्लैकमेल करने लगा और छोटी बहन को अपने छोटे भाई पंकज के पास जाने के लिए मजबूर किया। दोनों भाई विवाहिता और उसकी नाबालिग बहन को प्रताड़ित करने लगे। परेशान होकर विवाहित ने अपनी जान दे दी। आरोप है कि दोनों भाईयों और उनकी मां ने दुष्प्रेरित किया जिससे विवाहिता ने आत्महत्या कर ली।

प्रहलाद जोशी से मुलाकात

बीकानेर, (कासं)। केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी के आज बीकानेर से प्रस्थान करने पर भाजपा नेताओं ने भाजपा देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया की अगुवाई में प्रहलाद जोशी से मुलाकात कर आभार जताया। इस अवसर भाजपा जिला महामंत्री दिलीप अड़सर, जिला मंत्री मनीष सोनी, कौशल शर्मा, भाजयुमो महामंत्री पंकज अग्रवाल, संपत पारीक, जयकिशन उपाध्याय उपस्थित थे।

बुजुर्ग दंपत्ति की हत्या किरायेदार और उसकी पत्नी ने कराई

बीकानेर, (कासं)। मुक्ताप्रसाद नगर के मकान नंबर 4/13 में रहने वाले बुजुर्ग दंपत्ति की हत्या उनके घर में रहे किरायेदार युवक और उसकी पत्नी ने करवाई। वारदात की साजिश यूपी के गाजियाबाद में रची गई। वहीं से आये तीन लोगों ने दंपत्ति की हत्या कर घर में लूटपाट की और फरार हो गए।

आर्मी से रिटायर्ड अधिकारी गोपाल वर्मा 67 और उनकी पत्नी निर्मला वर्मा 60 मुक्ताप्रसाद नगर के मकान नंबर 4/13 में रहते थे। उन्होंने जनवरी-फरवरी में धर्म नगर द्वार के बाहर रहने वाले अरूण कुमार ओझा और उसकी कथित पत्नी प्रिया सिसोदिया को किराये पर रखा था। प्रिया यूपी के गाजियाबाद की रहने वाली है जो प्रेगनेंट थी। इस दौरान उसके पिता कर्मवीर व अन्य यूपी से बीकानेर आते-जाते रहे और दंपत्ति से जान-पहचान हो गई।

- वारदात की साजिश यूपी के गाजियाबाद में रची गई। वहीं से आये तीन लोगों ने दंपत्ति की हत्या कर घर में लूटपाट की और फरार हो गए

बाद में अरूण का चाल-चलन ठीक नहीं लगा तो मकान खाली करवा लिया गया। उसके बाद प्रिया अपने पीहर गाजियाबाद चली गई। अरूण भी वहां पहुंचा और गाजियाबाद में ससुर कर्मवीर के साथ दंपत्ति की हत्या और लूट की वारदात की साजिश रची। गाजियाबाद में कर्मवीर के पड़ौसी सुमित को बीकानेर लाकर उसे कपड़ा व्यवसायी बताकर जुलाई के प्रथम सप्ताह में दंपत्ति के ऊपर वाले घर में किराये पर रखवाया गया।

कर्मवीर, उसका साथी रोहित गुर्जर एमपी नगर के एक फ्लैट में रूके। 13 जुलाई की रात को दोनों गोपाल वर्मा से मिलने उसके घर पहुंचे। इस दौरान सुमित भी वहां आ गया। तीनों ने मौका देखकर टीवी की आवाज तेज कर दी और चुन्नी से गला घोंटकर दंपत्ति की हत्या कर दी। उसके बाद घर में रखा 20-25 तोला सोना और 40-50 हजार रूपए की नकदी लेकर फरार हो गए। लूट के माल में 10 प्रतिशत हिस्सा अरूण को देना तय हुआ था।

15 जुलाई को दंपत्ति के शव घर में पड़े मिले थे। एसपी कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि डबल मर्डर और लूट के इस मामले में अरूण ओझा, गाजियाबाद निवासी उसकी पत्नी प्रिया और रोहित गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अस्पताल में सात बीपी मशीन व 7 नेबुलाइजर भेंट

बीकानेर,(कासं)। जिला अस्पताल में मरीजों की बेहतर जांच और उपचार के लिए माहेश्वरी महिला समिति ने सेवा भावना के तहत सात बीपी मशीन और सात नेबुलाइजर भेंट किए।

यह योगदान विशेष रूप से शिशुओं और सामान्य रोगियों की प्राथमिक चिकित्सा में सहायक सिद्ध होगा। डॉक्टरों के अनुसार बीपी मशीनें रोजमर्रा की जांच में अत्यंत आवश्यक होती हैं और अस्पतालों में इनकी पर्याप्त उपलब्धता मरीजों की त्वरित जांच और उपचार में सहायक होती है। नेबुलाइजर मशीनें खासकर बच्चों में अस्थमा, सर्दी-जुकाम व सांस की अन्य दिक्कतों के इलाज में अत्यधिक उपयोगी होती है। जिला अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुनील हर्ष ने इस अवसर पर माहेश्वरी महिला समिति, विशेषकर रेखा लोहिया और मनमोहन लोहिया का आभार जताया। अस्पताल प्रशासन ने समिति के इस सेवा कार्य की सराहना की।

मदन और बजरंग विहार कॉलोनी में जलभराव

बीकानेर, (कासं)। 10 जुलाई को आई 62 एम.एम. बारिश का 70 प्रतिशत पानी तो सीवरेज लाइन से होते हुए ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुंच गया लेकिन नालों का 30 प्रतिशत पानी मदन विहार और बजरंग विहार की कॉलोनियों में समा गया। क्योंकि यह पानी पास में बनी पाल में एकत्रित होता है और 13 जुलाई को यह पाल 300 फीट टूट गई थी। एक सप्ताह बीत गया मगर कॉलोनियों के घर अभी भी टापू नुमा बने हैं।

निगम ने 5 मोटर लगाकर पानी निकाला लेकिन निचले इलाकों में घर अभी भी पानी में डूबे हैं। आसमान में बादल मंडरा रहे हैं और पाल को ठीक होने में 20 से 30 दिन लग सकते हैं। ऐसे में इन घरों के वाशिंदे बदबूदार पानी सहन करने को मजबूर हैं।

नगर निगम ने 59 करोड़ का टेंडर कर दिया है। इससे सबसे पहले इसी इलाके में एक एसटीपी प्लांट बनेगा।

- एक सप्ताह बीत गया लेकिन जलभराव से कॉलोनियों के घर अभी भी टापू नुमा बने हैं

पाल खत्म होगी और पानी फिल्टर होकर सिंचाई के लिए दिया जायेगा। मौसम विभाग के मुताबिक बीकानेर में औसतन मानसून सीजन में 244 एमएम बारिश होनी चाहिए। मानसून के बीते 20 दिनों में 147.1 एमएम बारिश हो चुकी है। यानी शेष मानसून सत्र में या तो सिर्फ 91 एम.एम. बारिश ही होगी अथवा इस साल बारिश के औसत में वृद्धि होगी। अभी राजस्थान में दो दिन और भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। जिसमें बीकानेर भी शामिल है। सावन के पहले दिन से बरसने शुरू हुए बादल लगातार बरसे।

बीकानेर में बादलों का डेरा पर बरसे नहीं

बीकानेर, (कासं)। यहां मौसम एक बार फिर सुहावना है। आसमान में बादल छा रहे हैं, ठंडी हवा की बयार चल रही है लेकिन बारिश नहीं हो रही। एक बार हल्की रिमझिम बारिश हुई लेकिन तेज बारिश का इंतजार बना हुआ है। तापमान में गिरावट होने से गर्मी पूरी तरह से गायब है। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ घंटों में बीकानेर में बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने शनिवार सुबह जारी बुलेटिन में कहा है कि उत्तर-पूर्व राजस्थान के मध्य भागों पर बना दबाव पिछले 6 घंटों के दौरान 23 किमी. प्रति घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा है। शनिवार को सुबह साढ़े पांच बजे उत्तर-पूर्व और और उससे सटे उत्तर पश्चिम राजस्थान पर, सीकर से 10 किमी दक्षिण, चूरू से 90 किमी दक्षिण-दक्षिण पूर्व, जयपुर से 100 किमी उत्तर-पश्चिम और बीकानेर से 190 किमी पूर्व-दक्षिण पूर्व में मानसून केंद्रित रहा है। इसके उत्तर-पश्चिम राजस्थान से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों के दौरान धीरे-धीरे कमजोर होकर दबाव क्षेत्र में परिवर्तित होने की संभावना है। ऐसे में इन क्षेत्रों में अच्छी बारिश की उम्मीद की जा रही है।

- कम दबाव बनने से अगले कुछ घंटों में बीकानेर में बारिश हो सकती है

जेल में बंदियों से मोबाइल बरामद

बीकानेर,(कासं)। केन्द्रीय कारागृह में दो बंदियों से मोबाइल बरामद किए गए।

रेंज के आईजी ओमप्रकाश को सूचना मिली थी कि केन्द्रीय कारागृह में बंदियों के पास मोबाइल है और वे जेल से बाहर बात करते हैं। पुलिस की टीम एसडीएम को लेकर केन्द्रीय कारागृह पहुंची। जेल कर्मचारियों के साथ पुराना सुरक्षा वार्ड सेल नंबर 18 को खुलवाकर मोहित उर्फ मोहिता नाई की तलाशी ली गई जो हत्या के मामले में बंद है। उसके पास से कचोडा कंपनी का मोबाइल बरामद हो गया। पूछताछ में उसने बताया कि यह मोबाइल दुष्कर्म के मामले में जेल में बंद बिरजू सिहाग से लिया था। जो अब जेल से छूट चुका है। इस मोबाइल से बंदी भूपेन्द्र और सन्नी भी बात करते थे। बंदी नोहर निवासी सुनील की तलाशी ली तो उसके पास भी मोबाइल बरामद हो गया।

नोखा में बारिश से सड़कों पर जलभराव से परेशान

नोखा, (कासं)। बीकानेर जिले के नोखा कस्बे में पिछले रात से रूक-रूक कर हो रही बारिश ने किसानों के चेहरे खिला दिए हैं। उपखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाकों में अच्छी बरसात से इस बार बंपर फसल की उम्मीद बंधी है।

हालांकि बारिश के चलते कस्बे की दैनिक गतिविधियां प्रभावित हुई है। प्रमुख बाजारों में ग्राहकों की कमी नजर आई, जिससे दुकानदारों को खाली बैठना पड़ा। नवलीगेट, बाबा छोटूनाथ स्कूल, बस स्टैंड और सदर बाजार क्षेत्र में फिसलन की स्थिति बनी हुई है, जिससे आमजन को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नहरी पेयजल प्रोजेक्ट के तहत खोदी गई सड़कों पर जलभराव से गड्ढे उभर आए हैं। वहीं कस्बे की बदहाल सफाई व्यवस्था के कारण कई जगह कचरा बिखरा हुआ है। सीवर लाइन चॉक होने से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

- ग्रामीण इलाकों में अच्छी बरसात से इस बार बंपर फसल की उम्मीद बंधी

60 साल पुरानी इमारत ढही : श्रीगंगानगर के सदर बाजार में शनिवार सुबह 10 बजे एक पुरानी इमारत ढह गई। इमारत में रह रही बुजुर्ग महिला को पड़ौसियों ने पहले ही बाहर निकाल लिया था। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

पड़ौसियों को इमारत की जर्जर स्थिति को देखकर पहले से ही खतरे की आशंका थी। उन्होंने सतर्कता दिखाते हुए बुजुर्ग महिला को समय रहते बाहर निकाला। कुछ ही देर बाद पूरी इमारत ढह गई। यह इमारत करीब 60 वर्ष पुरानी थी। घटना के बाद सदर बाजार में यातायात पूरी तरह रूक गया। स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची। उन्होंने ढही हुई इमारत का निरीक्षण किया।

अष्ट प्रतिहार्य महोत्सव, आत्म-परमात्म से करें सच्ची प्रीति : गणिवर्य

बीकानेर, (कासं)। गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री जिन मणि प्रभ सूरिश्वर महाराज के आज्ञानुवर्ती गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर मंथन प्रभ सागर, बाल मुनि मीत प्रभ सागर, बीकानेर की साध्वी दीपमाला श्रीजी व शंखनिधि के सानिध्य में शनिवार को ढड्ढा कोटड़ी में संबोधि महिला शिविर आयोजित किया गया।

दादा दत्त सूरी व सिद्धि तप की साधनाएं श्रद्धा भक्ति से की गईं। रविवार को सुबह नौ बजे ढड्ढा कोटड़ी में भगवान के अष्ट प्रतिहार्य महोत्सव आयोजित किया जायेगा। गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर म.सा. ने शनिवार को प्रवचन में कहा कि आत्म परमात्म प्रेम सच्चा संसार, सांसारिक विषय, भोग वस्तुओं का प्रेम झूठा है।

अरिहंत परमात्मा का स्मरण करने से शुभभाव व सुख की प्राप्ति होती है। परमात्मा से प्रीति करने पर भौतिक रिश्तों व वस्तुओं से प्रीति तोड़नी होगी। परमात्मा से प्रीति रखकर उनके गुणों व आदर्शों का स्मरण करें, उनकी शरणागति लें। परमात्मा की प्रीति हमें मोक्ष का तथा दुनियां से प्रीति हमें नरक के मार्ग पर ले जाती है। दुनियां का कोई रिश्तेदार, मित्र, बंधु व वस्तु बीमारी, कष्ट व मृत्यु से बचा नहीं सकता। परमात्मा से प्रेम रखने, उनका आश्रय लेने तथा ध्यान करने से हर काल, परिस्थिति में हमारा आत्मबल, कर्म बंधनों को काटने की शक्ति मिलेगी। हमें अरिहंत परमात्मा की साधना, आराधना व भक्ति नतमस्तक होकर निष्काम भाव से करनी चाहिए।

बीकानेर के ढड्ढा कोटड़ी में दादा दत्त सूरी व सिद्धि तप के साधकों को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान करवाते गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर।

- ढड्ढा कोटड़ी में संबोधि महिला शिविर आयोजित

सुगनजी महाराज का उपासरा ट्रस्ट व श्री संघ के सहयोग से अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद व महिला परिषद की बीकानेर इकाई की ओर से शनिवार को क्षमा कल्याण वाटिका, ढड्ढा कोटड़ी में गणिवर्य व साध्वीवृंद के सानिध्य में संबोधि महिला शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विपरीत मौसम के बावजूद करीब 50-60 श्राविकाओं ने हिस्सा लिया।

जयंती पर आज़ादी के नायक मंगल पांडे को याद किया

बीकानेर, (कासं)। शाकद्वीपीय मग ब्राह्मण (पुजारी सेवक) समाज और मंगल पांडे स्मारक समिति की ओर से आजादी आंदोलन के प्रथम नायक अमर शहीद मंगल पांडे की 197 वीं जयंती पर रानी बाजार पुल के पास मंगल पांडे सर्किल पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

स्मारक समिति सदस्य और वरिष्ठ समाजसेवी आर. के. शर्मा ने कहा कि जो व्यक्ति अपने वतन के लिए जीता है, जिसके लिए उसकी देश की धार्मिक और एकता की भावना का मान सर्वोच्च होता है, वो वतन की हिफाजत के लिए अपने तन की परवाह भी नहीं करता। ऐसे ही वीर पुरूष थे अमर शहीद मंगल पांडे या यू कहूं की जो वतन पर जान कुर्बान कर जाते है। मंगल पांडे जैसे वीर सपूत बन जाते हैं। स्मारक समिति के शंकर सेवग ने पुष्पांजलि करते हुए कहा की वतन से प्रेम करने वाले इंसान बेहतरीन होते है। लेकिन वतन पर अपनी जान देकर फिदा होने वाले फरिश्ते ही होते हैं। ऐसे ही फरिश्ते है आज़ादी के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद मंगल पांडे। वरिष्ठ समाजसेवी नरेन्द्र शर्मा ने कहा कि अपने देश और धर्म की रक्षा की खातिर बिना संसाधनों के अंग्रेजी हुकूमत से लोहा लेना बगावत करना ये मंगल पांडे जैसे वीर योद्धा ही कर सकते थे व्याख्याता जुगलकिशोर शर्मा ने कहा कि जो व्यक्ति इस देश की आन बान शान और धार्मिक सदभावना को बरकरार रखने हेतु ताकतवर ब्रिटिश हुकूमत से बगावत कर सम्पूर्ण भारत वर्ष में आज़ादी के आंदोलन की चिंगारी फूंक जाता है।

आज़ादी संग्राम के प्रथम नायक अमर शहीद मंगल पांडे की 197 वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर याद किया।